यूपी सरकार का बालवाटिका खोलने के लिए स्कूलों का विलय

उत्तर प्रदेश (यूपी) सरकार एक साथ दो बड़े काम कर रही है:

1. एक लोकप्रिय नया कदम: उन्होंने छोटे बच्चों (3-6 वर्ष) के लिए 70,000+ नए आधुनिक प्लेस्कूल (बालवाटिकाएं) खोले हैं। इसे प्रारंभिक शिक्षा के लिए एक अच्छा और प्रगतिशील कदम माना जा रहा है।
2. एक विवादास्पद तरीका: इन नए प्लेस्कूलों के लिए जगह, शिक्षक और संसाधन जुटाने हेतु, उन्होंने 10,000 से अधिक मौजूदा प्राथमिक विद्यालयों का विलय (एकीकरण) कर दिया। यह हिस्सा बहुत अलोकप्रिय है और इसने काफी गुस्सा पैदा किया है।

कहानी के दो पहलू

1. **सरकार का सकारात्मक पक्ष ("क्यों")**
   • लक्ष्य: नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की सिफारिश के अनुसार प्रारंभिक बचपन शिक्षा में सुधार करना।
   • लाभ: ये बालवाटिकाएं आधुनिक हैं और खेल-आधारित शिक्षण के माध्यम से बच्चों को एक मजबूत नींव देने का लक्ष्य रखती हैं, जो औपचारिक स्कूली शिक्षा शुरू करने से पहले उनके मानसिक और शारीरिक विकास में मदद करती है।
   • आधिकारिक बयान: सरकार इसे एक बहुत बड़ी सफलता और राज्य में शिक्षा के लिए एक "नई सुबह" के रूप में प्रचारित कर रही है। वे आधुनिक सुविधाओं में निवेश और बच्चों के उज्जवल भविष्य पर प्रकाश डाल रहे हैं।
2. **आलोचनात्मक पक्ष ("कैसे")**
   • समस्या: इन नए प्लेस्कूलों को बनाने के लिए, सरकार ने पूरी तरह से नई सुविधाएं नहीं बनाईं। इसके बजाय, इसने कई छोटे स्थानीय प्राथमिक विद्यालयों का बड़े स्कूलों में विलय कर दिया।

• मुद्दे:

o पहुंच: स्कूलों के विलय का अक्सर मतलब है कि नजदीकी स्कूल अब अधिक दूर है। इससे गरीब परिवारों के छोटे बच्चों के लिए विशेष रूप से, स्कूल तक सुरक्षित यात्रा करना मुश्किल हो जाता है।

MENTORA IAS
"YOUR SUCCESS, OUR COMMITMENT"

o स्थानीय स्कूलों की हानि: एक स्थानीय स्कूल अक्सर एक गाँव या समुदाय का केंद्र होता है। इसे बंद करने का सामाजिक प्रभाव पड़ता है।

o नौकरी की चिंताएँ: शिक्षकों और कर्मचारियों को स्थानांतरण या नौकरी की सुरक्षा को लेकर चिंता हो सकती है।

o राजनीतिक मुद्दा: विपक्षी दल (जैसे समाजवादी पार्टी) इसे एक हानिकारक फैसले के रूप में देख रहे हैं और इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, इसे एक ऐसा कदम बता रहे हैं जो नुकसानदेह है।

यूपीएससी मुख्य परीक्षा में इसका उपयोग कैसे किया जा सकता है

"बालवाटिकाएं खोलने के लिए स्कूलों के विलय के उत्तर प्रदेश सरकार के कदम पर आपकी क्या राय है?"

• एक संतुलित उत्तर होगा:

o सकारात्मक पहलुओं को स्वीकार करना: एनईपी 2020 के अनुरूप बालवाटिकाएं स्थापित करने की पहल एक सराहनीय कदम है। एक मजबूत शैक्षिक नींव बनाने के लिए प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है, जो बाद के वर्षों में सीखने के परिणामों में सुधार कर सकता है।"

o चिंताओं को स्वीकार करना: "हालाँकि, मौजूदा बड़ी संख्या में प्राथमिक विद्यालयों के विलय करके इसे प्राप्त करने की विधि ने जायज ढंग से चिंता पैदा की है। विलय से पहुंच संबंधी मुद्दे हो सकते हैं, खासकर दूरदराज के इलाकों के बच्चों के लिए जिन्हें अब अधिक दूर यात्रा करनी पड़ सकती है।"

o एक रचनात्मक निष्कर्ष देना: "आदर्श दृष्टिकोण यह होगा कि मौजूदा स्कूली ढांचे में व्यवधान डाले बिना बालवाटिकाओं को एकीकृत किया जाए, शायद उन्हें मौजूदा स्कूलों में एक विंग के रूप में जोड़कर। स्थानीय समुदायों के साथ एक सलाहकार प्रक्रिया यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण होगी कि इस तरह की अच्छी नीति को जन-हितैषी तरीके से लागू किया जाए।"

इसका और कहाँ उपयोग किया जा सकता है

जीएस पेपर IV (नीतिशास्त्र)

MENTORA IAS
"YOUR SUCCESS, OUR COMMITMENT"

- केस स्टडीज/उत्तर लेखन: यह लेख एक नैतिक दुविधा प्रस्तुत करता है जो एक केस स्टडी के लिए आदर्श है।
  ○ **दुविधा:** लक्ष्य (बेहतर शिक्षा के लिए आधुनिक प्लेस्कूल) महान है, लेकिन विधि (मौजूदा प्राथमिक विद्यालयों का विलय और संभवतः बंद होना) ने सार्वजनिक असंतोष और विरोध पैदा किया है।

आपसे विश्लेषण करने के लिए कहा जा सकता है:

• दीर्घकालिक सार्वजनिक हित (गुणवत्तापूर्ण शिक्षा) और अल्पकालिक सार्वजनिक असुविधा (स्थानीय स्कूलों का बंद होना, पहुंच के मुद्दे) के बीच नैतिक संघर्ष।

• **शासन के मुद्दे** - क्या विलय पारदर्शी तरीके से किया गया था? क्या हितधारकों (माता-पिता, शिक्षकों) से सलाह ली गई थी?

• **शासन में ईमानदारी**: मौजूदा व्यवस्थाओं में व्यवधान डालने की लागत के विरुद्ध एक नई नीति के लाभों का तौलना।

MENTORA IAS
"YOUR SUCCESS, OUR COMMITMENT"